पाठ - 06
निदा फ़ाज़ली

प्रश्न अभ्यास:

मौखिक:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

1. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धके ल रहे थे?
2. लेखक का घर किस शहर में था?
3. जीवन कै से घरों में सिमटने लगा है?
4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

1. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?
2. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?
3. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?
4. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा?
5. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
6. 'डेरा डालने' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
7. शेख अयाज़ के पिता अपने बाज़ू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

1. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?
2. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी?
3. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कै से निकाला?
4. 'मट्टी से मट्टी मिले,

   खो के सभी निशान,

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

किसमें कितना कौन है

कै से हो पहचान'

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) निम्नलिखित के आशय सपष्ट कीजिए -

1. नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था।
2. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।
3. इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।
4. शेख अयाज के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।' इन पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिए।

भाषा अध्ययन:

1. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिन्हों को पहचानकर रेखांकित कीजिए और उनके नाम रिक्त स्थानों में लिखिए; जैसे

   (क) माँ <u>ने</u> भोजन परोसा? - कर्ता

   (ख) मैं किसी <u>के लिए</u> मुसीबत नहीं हूँ।

   (ग) मैंने एक घरवाले <u>को</u> बेघर कर दिया।

   (घ) कबूतर परेशानी <u>में</u> इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे।

   (ङ) दरिया <u>पर</u> जाओ तो उसे सलाम किया करो।

2. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए -

   चींटी, घोड़ा, आवाज, बिल, फौज, रोटी, बिंदु, दीवार, टुकड़ा।

3. ध्यान दीजिए नुक्ता लगाने से शब्द के अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। पाठ में 'दफा' शब्द का प्रयोग हुआ है जिसका अर्थ होता है-बार (गणना संबंधी), कानून संबंधी। यदि इस शब्द में नुक्ता लगा दिया जाए तो शब्द बनेगा ' दफ़ा ' जिसका अर्थ होता है-दूर करना, हटाना। यहाँ नीचे कुछ

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

नुक्तायुक्त और नुक्तारहित शब्द दिए जा रहे हैं उन्हें ध्यान से देखिए और अर्थगत अंतर को समझिए।

सजा - सज़ा   नाज - नाज़

जरा - ज़रा   तेज - तेज़

निम्नलिखित वाक्यों में उचित शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए

(क) आजकल................ बहुत खराब है। (जमाना/ज़माना)

(ख) पूरे कमरे को. .... दो। (सजा/सज़ा)

(ग) .... चीनी तो देना। (जरा/ज़रा)

(घ) माँ दही. ....जम गई। (जमाना/ज़माना)

(ङ) दोषी को.......................दी गई। (सजा/सज़ा)

(च) महात्मा के चेहरे पर. .... था। (तेज/तेज़)

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

पाठ - 06
निदा फ़ाज़ली

प्रश्न अभ्यास:

मौखिक:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

उत्तर1: लगातार बढ़ती आबादी की आवास की समस्या से निपटने के लिए बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धके ल रहे थे।

उत्तर2: लेखक का घर पहले ग्वालियर में था और बाद में वे बम्बई में वर्सोवा नामक स्थान में रहने लगे।

उत्तर3: लेखक के अनुसार अब जीवन छोटे डिब्बे जैसे घरों में सिमटने लगा है।

उत्तर4: कबूतरों दोनों ही अंडे बिल्ली द्वारा तथा लेखक की माँ के बचाने के उपक्रम में टूट गए थे इसलिए कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

उत्तर1: अरब में लशकर को नूह नाम से याद करने का कारण यह है कि एक बार उन्होंने एक जख्मी कुत्ते को दुत्कार दिया था और इसी कारण वे उम्र-भर रोते रहे थे।

उत्तर2: लेखक की माँ शाम के समय पेड़ों से पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थी क्योंकि उनका मानना था कि ऐसा करने से पेड़ रोते हैं और हमें बददुआ देते हैं।

उत्तर3: गर्मी में ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग ये सारे प्रकृति में आए असंतुलन का परिणाम हैं।

उत्तर4: लेखक के घर में कबूतरों ने दो अंडें दे रखे थे। एक अंडा तो बिल्ली द्वारा तोड़ दिया गया था और दूसरा अंडा लेखक की माँ के बचाने के कारण टूट गया था जिसके कारण वे दुखी हो गई और उसी का प्रायश्चित करने के लिए लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा रखा।

उत्तर5: लेखक ने ग्वालियर से बम्बई तक अनेक बदलावों को महसूस किया जैसे पहले बड़े-बड़े घर, आँगन और दालान होते थे। अब डिब्बे जैसे घरों में लोगों को गुजारा करना पड़ता है। चारों ओर इमारतें और इमारतें ही पाई जाती है । खुले स्थानों, पशु-पक्षियों के रहने के स्थानों का अभाव दिखाई देता है। पहले पशु-पक्षियों को घरों में स्थान मिलता था आज उनके घर आने के रास्तों को ही बंद कर दिया जाता है।

उत्तर6: 'डेरा डालने' का आशय है - अस्थाई रूप से बसना। आजकल पक्षियों को अपने घोसलें बनाने के लिए उपयुक्त जगह नहीं मिल पाती हैं इसलिए वे लोग इमारतों में ही अपना डेरा जमा लेते हैं।

Http://www.ncrtsolutions.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

उत्तर7: शेख अयाज़ के पिता अपने बाज़ू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर उस च्योंटे को कुएँ पर छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए क्योंकि उनके अनुसार उन्होंने उस च्योंटे को घर से बेघर कर दिया था अत: बिना समय गवाँए वे उस च्योंटे को उसके घर अर्थात् कुएँ पर छोड़ आते हैं।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

उत्तर1: पर्यावरण असंतुलित होने का सबसे बड़ा कारण आबादी का बढ़ना है। बढ़ती आवास की समस्या से निपटने के लिए मानव ने समुद्र की लहरों तक को सीमित कर दिया है। समुद्र के रेतीले तटों को भी मानवों ने नहीं छोड़ा है वहाँ पर भी इंसानों ने बस्ती बसा दी है। आसपास के जंगल काट-काटकर नष्ट कर डाले हैं। पेड़ो को रास्तों से हटा दिया। परिणामस्वरूप पशु-पक्षी के लिए आवास ही नहीं बचे हैं। प्राकृतिक आपदाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। कहीं भूकं प, कहीं बाढ़, कहीं तूफान, कभी गर्मी, कभी तेज़ वर्षा इन के कारण कई बिमारियाँ हो रही हैं। इस तरह पर्यावरण के असंतुलन का जन जीवन तथा पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

उत्तर2: लेखक के घर कबूतरों ने घोंसला बना रखा था। कबूतर अपने बच्चों की रखवाली के लिए बार-बार लेखक के घर में चले आते थे जिससे लेखक का घर और पुस्तकालय गंदा होते थे इसलिए कबूतरों से अपने घर के बचाव के लिए लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली लगवानी पड़ी।

उत्तर3: समुद्र का लगातार सिमटना समुद्र के गुस्से की वजह थी। कई वर्षों से बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धके लकर उसकी जमीन पर कब्ज़ा कर रहे थे और बेचारसमुद्र लगातार अपना स्वरुप छोटा बनाते हुए सिमटता चला जा रहा था। पहले तो उसने अपनी टाँगों को समेटा, फिर उकडूँबैठ गया फिर वह खड़ा हो गया। यह प्रकिया निरंतर चलती ही र ही तो समुद्र को गुस्सा आ गया। जब उसे गुस्सा आया तो उसने गुस्से में अपनी लहरों पर दौड़ते तीन जहाज़ों को उठाकर तीन दिशाओं में फें क दिया। एक वर्ली समुद्र किनारे, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड़ के सामने और तीसरा गेट-वे-ऑफ़ इंडिया पर गिरा।

उत्तर4: इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक यह कहना चाहता है कि सभी प्राणियों का निर्माण मिट्टी से हुआ है। और अंत में इसी मिट्टी में हमें मिल जाना है अर्थात्सभी मनुष्य समान हैं। उनमें भेदभाव करना उचित नहीं हैं। हमें मिलजुलकर आपसी सौहार्द से रहना चाहिए। पशु-पक्षियों को भी वही ईश्वर बनाता है जो इंसानों को बनाता है। जब सभी मनुष्यों में एक ही तत्त्व समाया हुआ है तो उनको अलग-अलग कर बताना उचित नहीं है। इसे पहचानने की कोशिश भी व्यर्थ है।

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

(ग) निम्नलिखित के आशय सपष्ट कीजिए -

उत्तर1: उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि हर एक की अपनी सहनशक्ति की सीमा होती है फिर चाहे वह प्रकृति हो या इंसान। उससे छेड़छाड़ का खामियाजा सबको भुगतना पड़ता है। इसका उदाहरण हमें कुछ वर्षों पहले समु द्वारा फे कें गए तीन जहाजों के जरिए मिलता है।

उत्तर2: उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि महान होने के कारण बड़े लोगों में अपनी इन्द्रियों को काबू करने की क्षमता होती है। वे क्षमाशील होते हैं वैसे भी महानता क्रोध करने और दंड देने में न होकर क्षमा करने में होती है।

उत्तर3: उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि बढ़ते शहरीकरण ने पक्षियों से उनक घर छीन लिए हैं इसलिए कुछ पक्षियों ने अपने ठिकाने बदल दिए हैं या शहर की इमारतों में अपने नए ठिकाने बना लिए हैं।

उत्तर4: उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि इंसान हो या पशु-पक्षी सभी समान होते हैं। हमें कोई हक़ नहीं बनता कि हम किसी को भी उसके घर से बेघर करें। इसी गलती का अहसास जब शेख अयाज को होता है तो वे तुरं अपनी गलती को सुधार लेते हैं।

भाषा अध्ययन:

उत्तर1:

ने भोजन परोसा?	कारक
किसी लिए मुसीबत हूँ	
एक घर को कर दिया।	सम्बन्धकारक
कबूतर में इधर-उधर फड़फड़ा	अधिकरण कारक
दरिया पर जाओ तो सलाम किया करो।	अधिकरण कारक

उत्तर2:

एकवचन	बहुवचन
चींटी	चींटियाँ
घोड़ा	घोड़े
आवाज	आवाज़ें
बिल	बिलों
फौज	फौजें
रोटी	

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in

बिंदु	बिन्दुओं
दीवार	
टुकड़ा	टुकड़े

उत्तर3:

(क) आजकल ज़माना बहुत खराब है।(जमाना/ज़माना)

(ख) पूरे कमरे को सजा दो। (सजा/सज़ा)

(ग) जरा चीनी तो देना। (जरा/ज़रा)

(घ) माँ दही जमाना भूल गई। (जमाना/ज़माना)

(ङ) दोषी को सज़ा दी गई। (सजा/सज़ा)

(च) महात्मा के चेहरे पर तेज था। (तेज/तेज़)

Http://www.ncrtsolutions.in
Portal for CBSE Notes, Test Papers, Sample Papers, Tips and Tricks

Material Downloaded From http://www.ncrtsolutions.in